

प्रेषक,

डा० हेमलता ढौंडियाल
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्योग,
उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड,
देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 06 मई, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 में लघु उद्योगों के प्रोत्साहन हेतु ब्याज उपादान योजनान्तर्गत धनराशि स्वीकृत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव वित्त, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 267/XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च 2008 एवं आपके पत्र संख्या: 214/उ०नि०/ब्या०प्रोत्साहन/2008-09 दिनांक 15 अप्रैल, 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि लघु उद्योगों के ब्याज उपादान योजना हेतु रु० 25.00 लाख (रु० पच्चीस लाख मात्र) की धनराशि को व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जा रही है कि स्वीकृत धनराशि जनपदों को उनकी मांग के अनुरूप नियमानुसार उपलब्ध करायी जायेगी। व्यय में मितव्ययता नितांत आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने पर बजट मैनुअल तथा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो, व्यय उन्हीं मदों पर किया जाय, जिसके तिये यह धनराशि स्वीकृत की जा रही है।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक: 31.03.2009 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा। वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत योजना की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। व्यय के पश्चात् यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक: 31.03.2009 तक शासन को समर्पित कर दी जायेगी।

4- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण का रजिस्टर बी०एम०-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा और पूर्व के माह को व्यय का विवरण उक्त अधिकारी के द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल की अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा और नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक (मा० मुख्य मंत्री

जी/मुख्य सचिव) कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के आधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।

5- स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्त विभाग के उपरोक्त शासनादेश दिनांक 27 मार्च 2008 के प्रस्तर-7 के अनुसार चार समान किशतों में किया जायेगा। अगली किशत की धनराशि का व्यय तभी किया जायेगा जब पिछली किशत का व्यय विवरण प्रशासनिक विभाग/वित्त विभाग को उपलब्ध करा दी जायेगी।

6- स्वीकृत धनराशि को व्यय करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि इस मद में पूर्व में स्वीकृत समस्त धनराशि का पूर्ण उपयोग कर लिया गया हो एवं लाभार्थियों द्वारा योजना प्रारम्भ कर दी गयी हो।

7- स्वीकृत धनराशि के व्यय के अनुरूप लाभार्थियों द्वारा संचालित योजनाओं का विस्तृत विवरण एवं लाभार्थियों की सूची माहवार शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी तथा लाभार्थियों से प्राप्त धनराशि का विवरण भी उपलब्ध कराया जायेगा।

8- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 102-लघु उद्योग-17- लघु उद्योगों के प्रोत्साहन हेतु ब्याज उपादान-50-उपादान के नामे डाला जायेगा।

9- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 267/XXVII(1)/2008 दिनांक: 27 मार्च, 2008 में इंगित निर्देशानुसार निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीया,

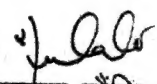
(डा० हेमलता ढौंडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 2018 (1)/VII-2/193-उद्योग/2006 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
6. अपर सचिव नियोजन उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 7. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2
9. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,


(डा० हेमलता ढौंडियाल)
अपर सचिव।